

Вадим Москвич

**ДОРОГА
В БЕСКОНЕЧНОСТЬ**

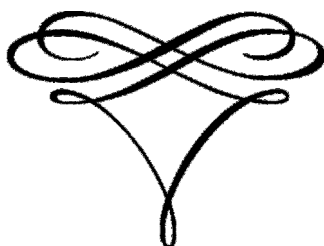
Сборник
СТИХОВ



Вадим Москвич

**ДОРОГА
В БЕСКОНЕЧНОСТЬ**

Сборник стихов



УДК 821.161.1
ББК 84(2Рос=Рус)6
М82

Москвич В.К.

М82 **Дорога в бесконечность** : сборник стихов. – Красно-
дар : Издательский Дом – Юг, 2016. – 272 с.

ISBN 978-5-91718-455-5

Сборник стихов является результатом творчества автора в течении почти 50 лет. Публикуется впервые.

Стихотворения затрагивают такие основные темы: Россия, Кубань, Краснодар, природа, символ веры, детство, семья, друзья, любовь, аутотренинг, советы.

Сборник стихов предназначен для широкого круга читателей, которые смогут найти стихотворения, созвучные их взглядам, мыслям и чувствам.

ББК 84(2Рос=Рус)6
УДК 821.161.1

ISBN 978-5-91718-455-5 © В.К. Москвич, 2016
© Оформление ООО «Издательский
Дом – Юг», 2016



Морские камушки
(копия с открытки)

ОБРАЩЕНИЕ

Перед Вами стихи несовершенные и почти совершенные, легкомысленные и глубокомысленные, в общем простые и непростые. Они на темы: Россия, Кубань, Краснодар, природа, символ веры, детство, семья, друзья, любовь, аутотренинг, советы и т.п. И они результат того, что я слышал, видел, чувствовал или о чём думал – от реальных событий до полного вымысла.

Я писал их для себя, нерегулярно, по настроению, почти 50 лет, иногда перечитывая, особенно те, которые понравились.

В последние годы я стал читать некоторые стихотворения своим родственникам и друзьям.

Интересно, что кому-то нравились одни стихотворения, а кому-то другие. Но иногда мнения совпадали. Некоторые просили распечатать то, что я им читал. Они для себя открывали меня, а я – их как ценителей любительской поэзии.

Искренне благодарю друзей, коллег и родственников за то, что они настойчиво рекомендовали мне опубликовать эти стихотворения. А что у меня получилось – судить Вам.

ОГЛАВЛЕНИЕ

СБОРНИК ПЕРВЫЙ «ГОРОД ЛЮБВИ»

| | |
|---|----|
| Дорога в бесконечность | 19 |
| Чистяковская роща | 20 |
| Истинная ценность | 20 |
| Математика и музыка | 20 |
| Положительная психологическая установка – 1 | 21 |
| Положительная психологическая установка – 2 | 22 |
| Положительная психологическая установка – 3 | 23 |
| Друзья | 23 |
| Юбилейное С.А.К | 24 |
| Сон | 25 |
| Рождение Агаты | 26 |
| Любовь-злодейка | 27 |
| Весна 2007 года | 28 |
| Гуамское ущелье | 29 |
| Высший суд | 30 |
| Ночь | 31 |
| Рука судьбы | 31 |
| Шанс | 31 |
| Море | 31 |
| Гражданская присяга | 32 |
| В день свадьбы | 33 |
| Молодоженам | 33 |
| Весна 2006 года | 33 |
| Любимый город | 34 |
| Судьба | 35 |
| Осень 2006 года | 36 |
| Зима на Камчатке | 37 |
| Душа | 37 |

| | |
|---|----|
| Цветы | 37 |
| Туман рассеялся | 37 |
| Новогоднее | 38 |
| Волчица | 38 |
| Солнце и зеркало | 39 |
| Вино и любовь | 40 |
| День рождения | 40 |
| Мысль | 40 |
| Тридцать пять лет спустя | 41 |
| Вид из окна | 42 |
| День смерти мамы – 20 сентября 2005 г. | 43 |
| 14 декабря 2005 г. (А.М.Б.) | 44 |
| Зима в Хабаровске | 45 |
| Бабушка | 46 |
| Есенинские дни | 47 |
| Люди православные | 48 |
| Баня | 49 |
| Пятьдесят шесть лет | 49 |
| Моряк | 49 |
| «Остановите мир – сойду» | 50 |
| Признание | 51 |
| «Сыскарь-важняк» | 52 |
| Воздушно-десантные войска (ВДВ) | 53 |
| Русь | 54 |
| Россия | 55 |
| Прощай | 56 |
| Эротика | 57 |
| К телефильму «Беспредел» | 58 |
| Осень 2002 года | 59 |
| Песня одинокого волка | 60 |
| Наш технологический университет | 62 |

| | |
|-----------------------------|----|
| Я и ты | 63 |
| Синдром | 63 |
| Тебе | 63 |
| Друзьям | 63 |
| Люблю | 63 |
| В ресторане | 64 |
| Весна на Камчатке | 65 |
| Ночной дождь | 65 |
| Любовь | 66 |
| Краснодар – Воронеж | 67 |
| Утро в станице | 67 |
| 11 сентября 2001 г. | 68 |
| Дорога | 69 |
| Юбилей В.Г.Л. | 70 |
| Винсент Ван Гог | 71 |
| Мгновение | 72 |
| Мир теней | 73 |
| Быть может | 74 |
| Прощание с мечтой | 75 |
| Осенний мотив | 76 |
| Зимний вечер | 76 |
| Рабство | 76 |
| Жестокий мир | 76 |
| Лучше быть счастливым | 77 |
| Каждый день | 77 |
| Каждый миг | 77 |
| Заповедь Гипократа | 77 |
| Как пить? | 78 |
| Тень | 78 |
| О дорожниках | 78 |

| | |
|--------------------------------|-----|
| Вьюга | 79 |
| Годы жизни | 80 |
| Непогода | 80 |
| Жизнь и судьба | 81 |
| Двое влюбленных | 82 |
| Антимир | 83 |
| Чего надо бояться | 83 |
| О судьбе | 83 |
| Морская пехота | 84 |
| Перестройка | 85 |
| Мне – пятьдесят | 86 |
| Осень-распутница | 88 |
| Про жизнь | 89 |
| Любовь мальчишки | 90 |
| Мираж | 91 |
| Авиценна | 92 |
| Кубань | 93 |
| С днём свадьбы | 94 |
| Юбилей А.И.Ч. | 95 |
| Свадьба В.Т.Х. | 96 |
| Красота | 97 |
| Женщины и цветы | 98 |
| Стихи | 98 |
| Ночь и утро | 98 |
| Без вины виноватый | 99 |
| Песня заключённого | 99 |
| Уголёк любви | 101 |
| Информационный беспредел | 102 |
| День без тебя | 103 |
| Кубанская весна | 104 |

| | |
|-----------------------------|-----|
| Юбилей С.Б.Б. | 105 |
| Юбилей А.А.П. | 107 |
| Встреча с мамой | 108 |
| Про «любовь» | 109 |
| Милая женщина | 110 |
| Юбилей В.С.С. | 111 |
| Молитва | 112 |
| Надежда | 113 |
| За державу обидно | 114 |
| Русский народ | 115 |
| Зимняя ночь | 116 |
| Кому что дано | 117 |
| Музыкант | 118 |
| Солдаты любви | 118 |
| Мать Россия | 119 |
| Нестандартное мышление | 121 |
| В казённом доме | 122 |
| Прощальный ужин | 123 |
| Я в Россию верю | 125 |
| Пляж любви | 126 |
| Ссора | 127 |
| Хабаровский мотив | 128 |
| Гражданская война | 129 |
| Афган | 131 |
| Ива | 132 |
| Я за это | 132 |
| Осень 1989 года | 133 |
| Про истину | 134 |
| Дух Святой | 135 |
| Мосты | 136 |
| Каприс (каприччо) | 137 |

| | |
|---------------------------------|-----|
| Из автобиографии | 139 |
| Колдунья-ночь | 141 |
| Музыка в парке | 142 |
| Махну рукой | 143 |
| Осень и ночь | 144 |
| Обида | 144 |
| Ранняя и поздняя осень | 145 |
| Как мы любили | 145 |
| Каждый имеет право | 146 |
| Мысль | 146 |
| О яде | 146 |
| Дурачку | 146 |
| Твои руки | 147 |
| Что-то случилось | 148 |
| Совет | 148 |
| Мама | 149 |
| Портрет незнакомки | 150 |
| Весна 1975 года | 151 |
| Слепая ночь | 151 |
| Осень 1975 года | 151 |
| Письмо | 152 |
| Осенняя надежда | 153 |
| Мне такие уже не нравятся | 154 |
| Мимолётное видение | 155 |
| Первая любовь | 156 |
| Ветер | 157 |
| Город любви | 158 |
| Ненастье | 158 |
| Журавли | 159 |
| Подземелье | 159 |
| Времена года | 159 |
| Грусть | 160 |

СБОРНИК ВТОРОЙ «ЛЮБОВЬ И РАДОСТЬ»

| | |
|---|-----|
| Любовь и радость | 163 |
| Лето в степи | 164 |
| По вере каждому дано | 165 |
| Боль (притча монаха Варнавы) | 166 |
| Если хочешь не стареть | 167 |
| Заслон от стресса (слоны спят стоя) | 167 |
| Совет себе | 167 |
| Автобиографическое | 168 |
| Вера. Любовь. Надежда | 168 |
| Люблю слушать | 169 |
| Люблю смотреть | 169 |
| Осколки стихов | 170 |
| Прощёное воскресенье | 170 |
| Все происходит не случайно | 171 |
| Город солнечных лучей | 172 |
| Осенний эскиз | 172 |
| Распни лень | 173 |
| С новым 2015 годом! | 173 |
| О грехе | 173 |
| Осенний сон (осень – 2013) | 174 |
| Вопросы без ответов | 175 |
| Осень – лету приговор | 176 |
| Мотивы истории | 177 |
| Салам алейкум (мир Вам) | 178 |
| Танцы в Доме офицеров | 179 |
| Новобранцу | 180 |
| Портреты внучек | 181 |
| Будь здоров! | 182 |
| Надо жить – не надо ныть | 182 |
| Олимпийская «кричалка» | 182 |

| | |
|---|-----|
| Антистрессовый аутотренинг | 183 |
| Самовнушение | 183 |
| Время всё рассудит | 184 |
| Живи как раньше жил | 184 |
| Март | 184 |
| Памяти В.А.М. | 185 |
| Будь готов! | 186 |
| Святая Троица | 186 |
| С первым годом, Маргарита! | 187 |
| Берегите Россию! | 187 |
| Скрипач и море | 188 |
| Любите себя | 188 |
| Разбитое сердце | 189 |
| Лики святые | 190 |
| «Мы стареем, но это единственная возможность жить долго» | 190 |
| Книга памяти | 191 |
| Любовь – болезнь | 192 |
| Поздравляю с Новым годом! | 192 |
| Икона Чудотворца | 193 |
| Одна фраза | 193 |
| Не умирайте раньше смерти | 193 |
| Прощай, мечта | 193 |
| Не обижайте детей | 194 |
| Россия – Родина моя | 195 |
| Нью-Йорк – 1994 | 196 |
| Каждый день и каждый год | 197 |
| Трубач | 197 |
| О творчестве | 197 |
| Разговор с сердцем | 198 |
| Агате – три года | 199 |

| | |
|-------------------------------------|-----|
| Как ты хочешь жить? | 199 |
| Я такой | 199 |
| Так вот будет не всегда | 200 |
| Угол сорок пять градусов | 201 |
| Ночь и заря | 201 |
| Ветерок и травушка | 202 |
| Русь, проснись! | 202 |
| Библейские Заветы | 203 |
| Безумная любовь | 204 |
| Не та мечта | 204 |
| Духи с названием «Быть может» | 205 |
| С днём рождения, Маргарита! | 206 |
| Два стручка (басня) | 206 |
| О судьбе | 207 |
| Даю команду | 207 |
| Откуда всё появилось? | 208 |
| Тост дорожников | 208 |
| Надежда | 208 |
| «Сила духа и сила воли ...» | 209 |
| Красота | 209 |
| Воображение и знания | 210 |
| «Атавизм» | 210 |
| Я о тебе буду мечтать | 211 |
| Разбитая мечта | 212 |
| Спасибо | 212 |
| Шторм | 213 |
| Горе | 213 |
| Кто вы такие? | 214 |
| Красота и сила слова | 215 |
| Память об отце | 216 |
| Объяснение в любви | 217 |

| | |
|--|-----|
| Наше счастье | 217 |
| В ресторане «Баргузин» («Картина маслом») | 218 |
| «Вечность всегда пребывает и никогда не перестает» | 219 |
| Трагедия | 219 |
| Гроза в Краснодаре | 220 |
| Вселенная | 220 |
| Контрабас | 221 |
| Жёлтый лист | 221 |
| Начало и конец | 221 |
| Как вы живёте? | 222 |
| Мы с тобой | 224 |
| Новый год | 224 |
| Мы все туда уйдём | 224 |
| Твой поцелуй | 225 |
| Зима | 225 |
| «Каждый при своём» (межевой девиз Екатерины II) | 226 |
| Лабиринт | 227 |
| Осень 1988 года | 228 |
| Впереди зима | 228 |
| Вопросы истории | 229 |
| Небо над нами | 230 |
| Несправедливость | 230 |
| Люблю лето | 230 |
| Строевая | 231 |
| Осень 1973 года | 232 |
| Вопрос | 232 |
| Считалочка | 233 |
| Футбольный мяч | 234 |
| Спать пора | 235 |
| Слон и муха (басня) | 236 |
| Две лягушки | 238 |

| | |
|--|-----|
| Кубань и казаки | 239 |
| Живя – живи | 240 |
| Королева весна | 240 |
| Иконы | 240 |
| Почему так? | 241 |
| Синергетический эффект | 241 |
| Хочется праздника | 241 |
| История России | 242 |
| Юбилей Ю.С.И. | 243 |
| Который день паришься, тот день не старишься | 244 |
| Кошки | 246 |
| Поверь | 246 |
| Впереди зима | 246 |
| Про жизнь | 246 |
| Негодяю | 247 |
| Что нам надо? | 247 |
| Шар земной и я | 248 |
| Высоты | 248 |
| Не вечер | 248 |
| Учиться надо | 248 |
| О дураках | 248 |
| Очередь в Одессе | 249 |
| О жизни | 249 |
| Наши годы | 249 |
| Каждый день | 249 |
| Сила судьбы | 249 |
| В больнице | 250 |
| Совет | 251 |
| Он тебя забудет | 251 |
| Одиночество | 252 |
| Простая свадьба | 253 |

| | |
|----------------------------|-----|
| Свет и тьма | 253 |
| Принцесса | 254 |
| Душа | 254 |
| Признание | 255 |
| Я Вас люблю | 255 |
| День наступает | 256 |
| Этюд | 256 |
| Зимний вальс | 257 |
| Ревность | 257 |
| Засушенный листок | 258 |
| Бес | 258 |
| Буду вспоминать | 259 |
| Простая истина | 260 |
| Кому ты такая нужна? | 260 |
| Разлука | 260 |
| Вечная память | 261 |
| Зима 1973 года | 261 |
| Гроза | 262 |
| Капля крови | 262 |
| Твои зелёные глаза | 263 |
| В зимнем парке | 264 |
| Ты и я | 264 |
| Слеза | 264 |
| Печальная тень | 265 |
| Поворот истории | 266 |
| Встреча весны | 266 |
| Страна тоски | 267 |
| Встреча | 267 |
| Прощай, Витя | 268 |
| Монолог | 269 |
| Приложение | 270 |